राइट्स

वर्ष 2018-19 के लिए राइट्स लिमिटेड के निष्पादन/गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा

पृष्ठभूमि, निष्पादन एवं परिदृश्य

कई वर्षों से राइट्स, देश में सार्वजनिक क्षेत्र में परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर परामर्शी कंपनियों में एक अग्रणी कंपनी के रूप में, परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों जैसे- रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, जलमार्गों, रोपवे, शहरी परिवहन, शहरी इंजीनियरिंग, कंटेनर डिपो, संस्थागत भवन तथा रेलवे विद्युतीकरण आदि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. राइट्स परियोजनाओं के कुशल एवं किफायती कार्यान्वयन के लिए संकल्पना से स्थापना तक बहुआयामी सेवाएं प्रदान करती है.

कंपनी ने परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में विशिष्टि, एकीकृत, एक ही मंच से सेवाएं उपलब्ध कराने तथा लोकोमोटिव्स, कोचों, वैगनों के स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति के लिए निर्यात पैकेज तथा वर्कशापों के आधुनिकीकरण का कार्य जारी रखा. कंपनी अपनी सहायक कंपनियों तथा संयुक्त उद्यम कंपनियों के माध्यम से वैगन निर्माण के कारोबार में अपना कार्य विस्तार कर रही है तथा हरित ऊर्जा सहित बिजली क्षेत्र में संभावित व्यावसायिक अवसरों को विकसित करने के लिए भी योजना बना रही है.

वित्तीय मुख्य विशेषताएं

वर्ष 2018-19 के लिए कंपनी का वित्तीय कार्य निष्पादन निम्न प्रकार से है :

(रूपये करोड़ में)

	स्टैंडलोन		समेकित	
विवरण	**2018-19**	**2017-18**	**2018-19**	**2017-18**
वित्तीय परिणाम :				
कुल आय	2164	1587	2240	1651
परिचालन कारोबार	1969	1434	2048	1497
अन्य आय	195	153	192	154
परिचालन व्यय	1487	1102	1518	1130
कर पूर्व लाभ (पीबीटी):	**677**	**485**	**730***	**519***
आस्थगित कर सहित आय कर	232	153	240	162
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	445	332	490	357
विनियोगः				
लाभांश वितरण कर सहित लाभांश	258	178	259	178
सामान्य रिज़र्व में हस्तांतरित	-	104	-	114

*संयुक्त उद्यम में शेयर के लाभ/(हानि) सहित

व्यापार निष्पादन

वर्ष के दौरान, कंपनी कई प्रतिष्ठित घरेलू परियोजनाओं में व्यस्त रही. जिसमें शामिल हैं - बीकानेर वर्कशाप, उत्तर पश्चिम रेलवे, खुरदवाड़ी वर्कशाप, मध्य रेलवे में वैगन पीओएच की सुविधा की स्थापना सहित टर्नकी आधार पर रेलवे वर्कशॉप परियोजनाओं का निष्पादन; डालमियानगर, में पूर्व मध्य रेलवे के लिए नयी पीओएच वैगन वर्कशॉप की स्थापना; एनएफ रेलवे की न्यू बोंगईगांव वर्कशाप में एलएचबी कोचों की रिफर्बिशमेंट सुविधा, सरला, पूर्व तट रेलवे में फ्रेट ट्रेन अनुरक्षण की सुविधा; लामडिंग एनएफ रेलवे में डीएमयू/एमईएमयू अनुरक्षण डिपो, साबरमती में फ्लैश बट्ट वैल्डिंग प्लांट तथा ब्रिज वर्कशॉप के लिए केएमएंडपी की आपूर्ति एवं परिचालन के अलावा जोधपुर वर्कशाप में एलएचबी कोचों के लिए सुविधा, तथा नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के लिए वटवा में ट्रैक मशीन के लिए सैन्ट्रल आवधिक ओवर हॉलिंग वर्कशॉप.

भारतमाला योजना के अंतर्गत गुजरात, पश्चिम बंगाल, पंजाब तथा हरियाणा में महत्वपूर्ण सड़कों के लिए डीपीआर, आंध्र प्रदेश में एनएच-9 के विजयवाड़ा-मछलीपत्तनम तथा उड़ीसा में एनएच-6 के बाहरगोरा-सिंगारा सेक्शन के निर्माण हेतु प्राधिकारी इंजीनियर, 373 आरसीसी ब्रिज निर्माण तथा पश्चिम बंगाल में कालीघाट मंदिर परिसर के पुनर्विकास के लिए डीपीआर तथा पीएमसी सेवाएं, भिवाड़ी, राजस्थान में ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विकास के लिए परामर्शीय सेवाएं तथा चित्रकुट तथा कुशीनगर, उत्तर प्रदेश में एयरपोर्ट का विकास.

गोरखपुर, इलाहाबाद, विजयवाड़ा, जम्मू, श्रीनगर, ठाणे, नागपुर, मुंबई, कानपुर तथा आगरा के लिए रेल आधारित मास ट्रॉजिट प्रणाली के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, दिल्ली, अहमदाबाद, नागपुर तथा पुणे के लिए मेट्रो रेल प्रणाली के लिए सामान्य परामर्शीय सेवाएं, अहमदाबाद मेट्रो तथा बैंगलोर मेट्रो फेज़- II के लिए ऊर्जा आपूर्ति तथा वितरण प्रणाली हेतु विस्तृत डिजाइन परामर्शीय सेवाएं, नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लि. के लिए स्वतंत्र गुणवत्ता निगरानी एजेंसी.

एनटीपीसी के लिए विभिन्न स्थानों जैसे कि रिहंद, सिंगरोली, सिपत, तालचर, कहलगांव तथा फरक्का में रोंलिंग स्टॉक तथा एमजीआर प्रणाली के वर्कशॉप उपकरण का अनुरक्षण

परियोजना प्रबंधन परामर्शीय सेवाओं में निम्नलिखित परियोजनाएं शामिल है : (i) पॉडीचेरी, गुलबर्ग, कासरगोड, गया, इलाहाबाद, आईआईटी खड़गपुर, एनआईटी मेघालय (ii) अयोध्या तथा वारणसी- रेलवे स्टेशन का विकास (iii) भारी उद्योग मंत्रालय - नेशनल ऑटोमेटिव परीक्षण तथा आरएंडडी अवसंरचना परियोजना (नेटरिप) (iv) डीवीसी, एनटीपीसी, सीआईएल तथा अन्य के लिए विभिन्न स्थानों पर रेल इंफ्रास्ट्रक्चर. (v) भारत-नेपाल सीमा पर बिराटनगर तथा भारत-म्यांमार सीमा पर मोरे के पास एकीकृत चेक पोस्ट का निर्माण (vi) श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) एयरपोर्ट का निर्माण पर्यवेक्षण (viii) दादरी से जेएनपीटी मुंबई तक पश्चिम डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1477 किमी) के लिए सिगनलिंग एवं टेलीकम्यूनिकेशन प्रणाली तथा संबंधित अवसंरचना के साथ दोहरे विद्युतीकृत ट्रैक का निर्माण. (ix) मणिपुर, एनएफ रेलवे के लिए नई रेलवे लाइन के जिरीबम-तुपुल सेक्शन पर रेलवे सुरंग के लिए विस्तृत डिजाइन परामर्शीय तथा निर्माण पर्यवेक्षण सेवाएं. (x) रेलवे बोर्ड के लिए अर्ध-उच्च गति तथा उच्च गति रेलवे लाइन के माध्यम से क्षमता वर्धन के लिए परामर्शीय सेवाएं (xi) एनसीआरटीसी के लिए आरआरटीएस कॉरीडोर के लिए दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ के संरेखण का विस्तृत डिजाइन.

वर्ष के दौरान राइट्स ने श्री माता वैष्णों देवी, भवन में यात्री रोपवे तथा नामची में यात्री रोपवे का सफलतापूर्वक परिचालन किया. साथ ही जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर); राजगीर एवं बांका(बिहार); शोलिंगुर एवं अय्यरमलई (तमिलनाडु) तथा गुवाहटी (असम) की रोपवे परियोजनाएं अपने अंतिम चरण में है.

राइट्स, भारतीय रेल को टर्नकी निर्माण आधार पर विभिन्न परियोजनाओं के लिए सतत सेवाएं प्रदान कर रहा है :

- दक्षिण मध्य रेलवे रूट लंबाई (90.20 किमी) में गूटी से धरमावरम के मध्य ट्रैक दोहरीकरण तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रूट लंबाई (50.10 किमी) में अनुपपुर से पेंद्रा रोड, तीसरी लाइन का निर्माण
- उत्तर पश्चिम रेलवे रूट लंबाई (188 किमी) में सवाई माधोपुर-जयपुर-रिंगस सेक्शन रूट लंबाई (188किमी) तथा पश्चिम मध्य रेलवे रूट लंबाई (188 किमी) के विजयपुर-मक्सी सेक्शन में एसएंडटी तथा सिविल कार्यों सहित रेलवे विद्युतीकरण कार्य.
- वारणसी (उ.प्र) में वाराणसी रेलवे स्टेशन का स्टेशन भवन (विस्तार) की योजना, अभिकल्पना एवं निर्माण, एफओबी, प्लेटफार्म का सुधार, लिफ्ट तथा वर्तमान स्टेशन भवन के पुनरूद्धार सहित पुनर्विकास.
- अयोध्या में नए रेलवे स्टेशन भवन, एफओबी, एचवीएसी प्रणाली, सोलर पैनल, स्टाफ क्वार्टर आदि का निर्माण
- बीकानेर, डालमियानगर तथा कुरदुवाड़ी में वैगन पीओएच वर्कशॉप की स्थापना
- न्यू बोंगाईगांव तथा जोधपुर में एलएचबी कोचों के लिए सुविधा का प्रावधान
- लाम्डिंग में डीईएमयू कार शेड की स्थापना तथा सरला में आरओएच डिपो की स्थापना

वर्ष के दौरान, कंपनी ने अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं का कार्य पूरा किया जैसे कि : (i) एनएफ रेलवे के लिए ``डिब्रुगढ़ के नजदीक बोगीबील में ब्रह्मपुत्र नदी पर रेल सह रोड सेतु`` नामक महत्वपूर्ण परियोजना के लिए निर्माण कार्यों के दौरान डिजाइन एवं डिजाइनर एसोसिएशन सेवाएं प्रदान की गई, इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ने अपने कर-कमलों से दिनांक 25 दिसंबर, 2018 को किया. (ii) मुंबई-चेन्नै उच्च गति रेल लाइन (1300 किमी) का व्यवहार्यता अध्ययन तथा एरियल एलआईडीएआर सर्वेक्षण के प्रयोग से नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचआरसीएल) के लिए मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेलवे लाइन (508 किमी) के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण एवं भू-तकनीकी जांच. (iii) जेआईसी के नेतृत्व वाले जापनी कंर्सोटियम के लिए मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेलवे लाइन के महत्वपूर्ण ब्रिज का अंतिम संरेखण डिजाइन तथा जीएडी.

वर्ष के दौरान कंपनी निर्यात, लीजिंग तथा परामर्शीय सेवाओं के क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय स्तर की परियोजनाओं में कार्यरत रही. इसमें पिछले वर्ष राइट्स को श्रीलंका रेलवे से 06 सेट डीईएमयू तथा 10 ब्रॉड गेज एसी-एसी डीजल इलैक्ट्रिक लोकोमोटिव्स की आपूर्ति किए जाने के दो अनुबंध प्राप्त हुए थे जिसमें से 02 सेट डीईएमयू (26 कोच) तथा दो लोकोमोटिव की आपूर्ति की जा चुकी है. घाना में तेमा तथा अकोसमबो के बीच मानक गेज़ रेलवे लाइन के लिए विस्तृत डिजाइन परामर्शीय सेवाएं; घाना में तेमा-अकोसोमबो प्रस्तावित पथ परिवर्तन (डायवर्शन) का व्यवहार्यता अध्ययन; जोर्जटाउन, गुयाना(दक्षिण अफ्रीका) में ईस्ट बैंक-ईस्ट कोस्ट रोड लिंकेज परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट; बोत्सवाना में तशीबी से मसुंका रोड का निर्माण पर्यवेक्षण, मॉरीशस में नेशनल कोस्ट गार्ड के लिए ट्राइडेंट पोर्ट के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तथा मॉरीशस सरकार के लिए मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना के लिए निर्माण पर्यवेक्षण सेवाएं शामिल है.

राइट्स म्यांमार रेलवे को आपूर्ति किए गए वाईडीएम 4 मीटर गेज़ लोकोमोटिव के लिए वारंटी सेवाएं, बांग्लादेश को आपूर्ति किए गए अत्याधुनिक एलएचबी बीजी यात्री कोचों के लिए सहायक सेवाएं तथा सीएफएम/मोजाम्बिक को आपूर्ति किए गए लोकोमोटिव के लिए विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कर रही है. वर्ष के दौरान, कंपनी ने श्रीलंका

को 160 ब्रॉड गेज़ यात्री कोचों की आपूर्ति के लिए तथा म्यांमार रेलवे को लोकोमोटिव कलपूर्जों की आपूर्ति के नए काम प्राप्त किए.

वर्ष के दौरान संचालन तथा रखरखाव सहित वेट लीज पर शंटिंग इंजनों को देने के कारोबार को घरेलू गैर-रेलवे ग्राहकों द्वारा स्वीकार किया गया. कंपनी ने घरेलू गैर-रेलवे ग्राहकों को अब तक 52 लोकोमोटिव लीज पर दिए हैं. गैर रेलवे ग्राहकों द्वारा शंटिंग लोको की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है. इसके अलावा एनटीपीसी, एनएसपीसीएल, डब्ल्यूबीपीडीसीएल, सेल एवं एपीसीपीएल जैसे ग्राहकों के स्वामित्व वाले 139 डीज़ल लोकोमोटिव्स तथा 1539 वैगनों के अनुरक्षण का कार्य भी कर रही है.

विविधीकरण के रूप में (i) राइट्स ने उभरते हुए क्षेत्रों में अपने संचालन का विस्तार किया है तथा वर्तमान में अक्षय ऊर्जा, बिजली खरीद की परियोजनएं अपनी सहायक कंपनी रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट लिमिटेड (आरईएमसीएल) - राइट्स एवं भारतीय रेल के संयुक्त उद्यम के माध्यम से कर रहा है. आरईएमसीएल ने देश में 12 इकाईयों में रेलवे के लिए ओपन एक्सेस के माध्यम से पॉवर खरीद का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया है, जो कि भारतीय रेल को सालाना रू. 4000 करोड़ से अधिक की बचत के साथ उसकी 65% ऊर्जा की खपत को पूरा करता है. आरईएमसीएल भारतीय रेल की 6 उत्पादन इकाईयों में ऊर्जा बचत क्षमता पर काम कर रहा है. रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने तमिलनाडु में दक्षिण रेलवे के 10.5 मेगावाट के पवन चक्की फर्म की स्थापना के लिए पीएमसी सेवाएं उपलब्ध करवाई हैं तथा जनवरी, 2019 से इसने कार्य करना आरंभ कर दिया है. इसके अलावा, आरईएमसीएल भारतीय रेल के ट्रैक के साथ 2 मेगावाट सौर ऊर्जा के दोहन की पायलट परियोजना पर काम कर रहा है. (ii) सेल राइट्स बंगाल वैगन इंडस्ट्री प्रा. लि- 50:50 आधार पर संयुक्त उद्यम (एसआरबीडब्ल्यूआईपीएल) के परिचालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा जनवरी, 2019 में 101 न्यू बीओएक्सएनएचएल वैगन उत्पादन द्वारा 100 वैगन प्रति माह के निर्माण की पूर्ण क्षमता की उपयोगिता के प्रयोग के साथ मील का पत्थर प्राप्त किया; वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान एसआरबीडब्ल्यूआईपीएल ने 696 नए बीओएक्सएनएचएल का निर्माण तथा 313 बीओएक्सएनआर का पुनर्विकास किया तथा (iii) कंपनी ने रेलवे वर्कशॉपों के अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण के लिए मशीन एवं संयंत्र के निर्माण तथा आपूर्ति, स्थापना एवं प्रारंभ (कमीशनिंग) के लिए टर्नकी कार्य हाथ में लिया है.

आईपीओ तथा शेयरों का सूचीकरण

भारत सरकार ने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग के माध्यम से राइट्स के 25,200,000 इक्वीटि शेयर अर्थात प्रदत्त शेयर पूंजी का 12.6 प्रतिशत, के विनिवेश की घोषणा की है. कंपनी के इश्यू को हाथों-हाथ लिया गया तथा इन्हें कई बार सब्सक्राइब किया गया. दिनांक 2 जुलाई, 2018 को शेयर का सूचीयन नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा बीएसई लिमिटेड में किया गया. इश्यू का प्रस्तावित मूल्य रू. 185/- (खुदरा निवेशकों तथा कर्मचारियों को रू. 6/- प्रति शेयर की छूट दी गई) प्रति शेयर था.

इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग से कंपनी को प्रचार मिलेगा और इसकी ब्रांड छवि में बढ़ोत्तरी होगी और शेयर धारकों को लिक्विडिटि प्राप्त होगी. लिस्टिंग से भारत में इक्विटी शेयरों के लिए सार्वजनिक बाजार भी प्राप्त होगी.

लाभांश

कंपनी ने वर्ष 2018-19 के दौरान दिए गए रूपये 175 करोड़ के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त रूपये 80 करोड़ के अंतिम लाभांश का भुगतान किया है. वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए कुल दिया जाने वाला लाभांश रूपये 255 करोड़ है (अर्थात रूपये 12.75 प्रति शेयर) जो कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी का 127.5 प्रतिशत है.

ऑर्डर बुक:

कंपनी की वर्ष 2018-19 के समापन पर उच्चतम ऑर्डर बुक रूपये 6,097 करोड़ रही, जिसमें वित्तीय वर्ष 2017-18 के मुकाबले 27% की वृद्धि अंकित की गई.

कारपोरेट सामाजिक दायित्व तथा सस्टेनेबिलिटी

वर्ष 2018-19 के दौरान रूपये 10.10 करोड़ की अनिवार्य आवश्यकता के मुकाबले कंपनी ने कुल रू. 10.23 करोड़ खर्च किए.

*****